-SUMMARY-

परियोजना का नाम – Threatened Birds of Madhya Pradesh

कार्यकारी संस्था – द नेचर वॉलंटियर्स, जिला– इन्दौर (म.प्र.)

परियोजना सारांश –

भारत में वर्ष 2021 में आई.यू.सी.एन. रेड डेटा बुक में घोषित पक्षियों की कुल 186 खतरे वाली प्रजातियॉ हैं। उन्हें गंभीर रूप से लुप्तप्रायः, कमजोर और निकट खतरे जैसी विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इनमें से कई प्रजातियॉ भारतीय उपमहाद्वीप के लिये स्थानिक या अर्ध–स्थानिक है, जिनकी भारत में पक्षियों के संरक्षण के लिये विशेष प्रसांगिकता है।

पुस्तक ''मध्यप्रदेश के संकटग्रस्त पक्षी'' में 47 संकटग्रस्त पक्षी एवियन प्रजातियों का विवरण है जो मध्यप्रदेश में पाई जाती है, जिसमें से 05 गंभीर रूप से लुप्तप्रायः है, 07 लुप्तप्रायः श्रेणी में है एवं अन्य 10 प्रजातियों को कमजोर श्रेणी में रखा गया है। शेष 25 प्रजातियों को खतरे के निकट श्रेणी में रखा गया है। क्षेत्र की विशेषताओं और पारिस्थितिकी को देखते हुये पक्षियों के खतरों के संरक्षण के लिए उपाय पुस्तक में दिये गये हैं। इन सभी प्रजातियों के वर्तमान और पिछले वितरण रेंज को प्रजातियों को मानचित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है, जो कि अलग–अलग रंग के बिन्दुओं में दिखाये गये हैं।

पुस्तक के लेखक श्री असद रहमानी, श्री ए.एम.के. भारोस, श्री अजय गड़ीकर, श्री प्रवर मौर्य एवं श्री देव कुमार वासुदेवन द्वारा संपादित किया गया है। इस पुस्तक को अशासकीय संस्था ''द नेचर वालंटियर्स'' इन्दौर द्वारा प्रकाशित किया गया है एवं वित्तीय सहयोग मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा किया गया है।

About the Book
In 2012, the first author brought out a major book titled Threatened Birds of India which sold out very quickly. It was soon realized that state-wise regional books on threatened Indian birds would be more useful as the conservation action takes place at the state level. Thereafter, eight such books covering different states were brought out in collaboration with local conservationists. This is the ninth book in this series and is sponsored by Madhya Pradesh State Biodiversity Board, Bhopal. This book covers five Critically Endangered, seven Endangered, 10 Vulnerable and 25 Near Threatened species.The status of the birds is based on the Red List of the IUCN. Updated information on the status and distribution of all the threatened species is given along with threats, protection measures underway, and recommendations. Each species distribution range across the state is depicted in maps with respect to their presence before and after the year 2000. We hope that this information-rich book will be useful to decision makers, researchers, ornithologists, PA managers, NGOs, birdwatchers and conservationists.
The NATURE VOLUNTEERS
Threatened Birds of Madhya Pradesh
TNV
Threatened Birds of Madhya Pradesh
Asad R. Rahmani, Arun M. K. Bharos, Ajay Gadikar, Praver Mourya